

शाह टाइम्स

बोली, बुधवार 8 अप्रैल 2026 बोली संस्करण: वर्ष 23 अंक 127 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विप्लव खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें: सुपान पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

बैसाख कृपा पक्ष 6 विक्रमी संवत् 2083

19 शवाहल 1447 हिउरी

नई दिल्ली, मुम्बई, देहरादून, इटावना, मुम्बई, मुम्बई, बोली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



अड़गे का हिमंत पर हमला, लगाया अक्षयचार् के आरोप पृष्ठ 2



गुजरात को जीत की तलाश, दिल्ली की नजरों जीत की हैट्रिक पर खेल टाइम्स



क्यों कम हुई हेल्थ इश्योरेस कंपनियों की विश्वसनीयता सम्पादकीय



ईरान समर्थित समूहों का अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन हमला पृष्ठ 12



केरल विधानसभा चुनाव से पहले, चायनाड जिले के पदिनजरथारा में काँग्रेस महासचिव और चायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने एक नुककड सभा को संबोधित किया।

लैंगिक समानता के चश्मे से नहीं देखी जा सकती जरूरी धार्मिक प्रथाएं: केंद्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले को समीक्षा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू हो गई है। केंद्र सरकार को और से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सभी संवैधानिक प्रश्नों को केवल लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता और 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का बचाव किया।



सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले की समीक्षा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू

जस्टिस नागरला बोलीं: महिला को महीने के तीन दिन 'अच्छूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरला ने कहा कि इस मामले में 'अच्छूत' 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अच्छूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अच्छूत न रह जाए। जस्टिस नागरला ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो, तो अदालत उसके बीच फर्क कर



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरला ने कहा कि इस मामले में 'अच्छूत' 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अच्छूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अच्छूत न रह जाए। जस्टिस नागरला ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो, तो अदालत उसके बीच फर्क कर

सुखन न्यायाधीश सुर्वक कोर्ट की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की पीठ इस मामले को सुनवाई कर रही है। पीठ में 'आयुर्वेद' बोली नागरला, एएसएम सुंदर, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद

कुमार, आरिंदीपन जॉर्ज मसीर, प्रमनाथ बी. वराल, आर. महारदन और जयिमाया बाबाजी शामिल हैं। केंद्र और करल सरकार ने अपने पक्ष में कहा कि यह प्रतिबंध मंदिर के देवता की प्रकृति से जुड़ा

एक आवश्यक धार्मिक आचरण है, जो न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। सालिसिटर जनरल ने कहा कि भारत में धार्मिक विविधता है और विभिन्न धर्मों तथा संप्रदायों की अपनी-अपनी

परंपराएं हैं, जिनमें समर्थन हुए अदालत को निर्णय करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत धार्मिक विद्वानों की जांच नहीं कर रही है बल्कि संवैधानिक व्याख्या कर रही है और इसमें विविधता को

ध्यान में रखना जरूरी है। गौरवलेन है कि 28 नवंबर 2018 को सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर आयु संबंधी प्रतिबंध हटा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

अमरावती को आंध्र की राजधानी बनाने वाले अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति प्रदीप कुमार ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी बनाने से संबंधित आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 को मंजूरी दे दी है। विधि और न्याय मंत्रालय ने एक ऑफिसियल जारी कर कहा है कि राष्ट्रपति ने इस अधिनियम को मंजूरी दे दी। अधिनियम में कहा गया है कि इस अधिनियम को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 कहा जा सकता है और यह आगामी 2 जून से लागू माना जाएगा। ये जून से अमरावती स्थित रूप से आंध्र प्रदेश की राजधानी बन जाएगी।

मणिपुर: बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद हिंसा

इफाला। मणिपुर के किम्पुंग जिले में सोमवार देर रात उखावटियों में एक बम से बच्चे की मौत हुई। इसमें 5 बच्चों के एक लड़के और छह बच्चों की बचती की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बम बंधू में सफा चार्ज, तब बच्चे अपनी मौत का साथ मेंडम में सो रहे थे। मौत के बाद ही, स्थानीय लोगों ने स्ट्राइक के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑक्सीजन सिलेंडर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मंगलवार पुलिस स्टेशन के सामने टावर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। इसमें बाद भी 20 से घंटायन्य से 100 महिला दूर सीआरपीएफ जवानों पर भी हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में 2 की मौत हो गई, पांच घायल भी हुए।

लश्कर के अंतर राष्ट्रीय आतंकी मांड्यूल का भंडाफोड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतर-राज्यीय आतंकी मांड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो संशोधित पाकिस्तानी अधिकारियों भी शामिल हैं। पुलिस ने इस मांड्यूल के पकड़े जाने के संबंध में अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। पिछले कई हफ्तों से चल रहे एक अभियान के दौरान पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के बाहर से लश्कर-ए-तैयबा के दो पाकिस्तानी आतंकीबादियों को गिरफ्तार किया।

ईरान में आज रात पूरी सभ्यता होगी खत्म: ट्रम्प

कहा: ईरान की सभ्यता को फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा

बाकिरगन, बार्ना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।



उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां अलन, न्याय समझदार और कम कट्टर सत्ता वाले लोग मौजूद हैं।' कोन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रान्तिकारी हो सकता हो? ट्रम्प ने दावा किया कि मंगलवार रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पक्ष के गवाह बनेंगे। 47 सालों को जयंती, प्रष्टाचार और मौत का सितिलिया आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईरान ईरान के लोगों को रक्षा करे। अमेरिका और इजरायल ने मंगलवार को ईरान में कई जहाजों पर हमला किया। सबसे बड़ा हमला खर्ग आइलैंड पर हुआ, जहां आरल डैमिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90 फीसदी कच्चा तेल यहाँ से एक्सपोर्ट होता है। इसी दौरान कोरिया और कतार में भी युद्धों को निशाना बनाया गया। कतारन के पास यहबाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में

खर्ग द्वीप-पुल को बनाया निशाना, एक साथ 50 ठिकाने तबाह
IRGC ने अमेरिका को लक्ष्मण रेखा पार न करने की चेतावनी दी

तबरीज-जंबान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार को रात 8 बजे (अमेरिकी समयानुसार) तक हाउस स्ट्रेट नहीं

मथुरा में सीएम योगी के कार्यक्रम का टेंट आंधी में उड़ा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के 20 से ज्यादा राज्यों में आज से आंधी-तूफान और बारिश की संभावना है। मंगलवार से नया डेवेंट रिटर्नवैर सक्रिय हो गया है। बैक-टू-बैक दो रिटर्नवैर प्रविष्ट होने से मौसम में बदलाव है। यूपी के लखनऊ, मेरठ और गाजियाबाद में मंगलवार दोहर बारिश हुई। यूपी में तबे आंधी से मीठाप योगी के कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। वहीं राजस्थान के गिरवासी जिले नागौर में बारिश के साथ आले गिर। जयपुर, बीकानेर और टोंक में भी तबे बारिश हुई। इमर, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन आंधी-बारिश और ओले गिरने की संभावना रहती। त्वावरिन में मंगलवार को बारिश हुई, जबकि 34 जिलों में अलटर्न है। हिमाचल प्रदेश के चंबा

शिक्षामित्रों-अनुदेशकों का मानदेय बढ़ा योगी सरकार ने दी 49 नए बस अड़ों को मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 22 अलग प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्रियों ने शिक्षा, परिवहन, औद्योगिक विकास समेत कई क्षेत्रों में बड़े निर्णयों की घोषणा की।

कैबिनेट के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में अंशकालिक शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि शामिल है। वसिष्ठ शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये किया गया है। उन्होंने बताया कि अनुदेशकों का मानदेय 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल से लागू

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी भी महंगी

नई दिल्ली। पश्चिम पश्चिमा संकेत के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाएरलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के रम भी बढ़ गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंड्रप्रथ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी को कोन बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति बलनक बनाएगा (एएससीए) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत विश्वा सरमा की पत्नी रिनिको पुरवा सरमा की ओर से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज कई आईए प्रथमिकी के सिलसिले में पृथक्छ के लिए असम पुलिस को एक टीम सी खेड़ा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास पर पहुंची है।

संखुन अरब अमीरग (यूपी) में अपाधित संस्थित है। मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह नास्त और निराधार बताया था। श्रीमती सरमा ने इन आरोपों पर श्री खेड़ा के खिलाफ आरोपों का क्रामद में प्रथमिकी दर्ज कराई थी।

संक्षिप्त समाचार
अचानक गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान की मौत
जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त गोलीबारी की घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के चक दयाला गांव के रहने वाले सीआरपीएफ जवान अब्दुल गनी की पुंछ जिले के कामसर स्थित सीआरपीएफ यूनिट मुख्यालय में अपनी ही सर्विस राइफल (आईएसएसएस) से दुर्घटनाग्रस्त गोलीबारी में मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी की घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पवन खेड़ा मामले में कांग्रेस का हमला
नई दिल्ली। कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराज रमेश ने मीडिया विभाग चेरमेन पवन खेड़ा के घर मंगलवार दिल्ली पुलिस और असम पुलिस के पहुंचने पर असम सरकार पर जमकर हमला बोला। रमेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि एक जनहित के मुद्दे पर सवाल उठाने के लिए पुलिस की पूरी फौज लगाना इस बात का प्रमाण है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा घबराए, परेशान और बीखलाए हुए हैं। उन्होंने इसे कानून की उचित प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की मशीनी का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज को दबाने और डराने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष सरकार के 'काले कारनामों' को उजागर कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जो लोग डराने-धमकाने की राजनीति करते हैं, वही सबसे ज्यादा डरे हुए होते हैं और उनके पास छिपाने के लिए बहुत कुछ होता है।

बारिश: यूपी के 50 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

अगले 48 घंटे में बरसात और ओलावृष्टि की संभावना

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में अगले 48 घंटे पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभागों के लिए भारी हो सकती है। प्रदेश भर में आज तेज आंधी के साथ बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। मंगलवार सुबह से नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ समेत प्रदेश के कई जिलों में काले बादल छाए हुए हैं। कई जगहों पर बादलों की तेज गड़गड़ाहट हो रही है, तो कहीं बारिश भी देखने को मिल रही है।



तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। कहीं-कहीं बिजली गिरने की भी आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार यूपी में अगले 48 घंटे किसानों के लिए बहुत भारी होने वाले हैं। बुधवार 8 अप्रैल को भी पश्चिमी और पूर्वी दोनों ही संभाग में लगभग सभी जगहों पर मेष गर्जन, वज्रपात, आंधी और तेज बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। दोनों ही संभागों में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है, जिससे किसानों को फसलों को नुकसान हो सकता है। यूपी में आज आगरा, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, कासगंज, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया और जालौन में

■ नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बागपत, शामली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर समेत 43 जिलों में अलर्ट जारी

आज कुछ स्थानों पर आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, गाँवा, बहराइच, श्रावस्ती, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, चित्रकूट, बाँदा, हमीरपुर, महोबा, झाँसी और ललितपुर में एक या दो जगहों पर बारिश हो सकती है। प्रदेश के बाकी हिस्से में आज मौसम सामान्य रहेगा। इन जिलों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। इसके बाद 6.8 डिग्री की अचानक बढ़ोतरी हो सकती है। 9 और 10 अप्रैल को बारिश का सिलसिला धम जाएगा।

प्रीपेड या पोस्टपेड स्मार्ट मीटर का खुद करें चुनाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता खत्म कर दी है। अब उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुन सकेंगे, जिससे लाखों लोगों को राहत मिली है। लखनऊ में बिजली बिल और मीटर को लेकर लंबे समय से चल रही बहस में अब उपभोक्ताओं के पक्ष में फैसला आया है।

केंद्र सरकार और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने जारी किया आदेश

कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, लेकिन प्रीपेड मीटर अब अनिवार्य नहीं रहेगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अभी 78 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, जिनमें 70 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर हैं। नए कनेक्शनों पर अब तक अनिवार्य रूप से प्रीपेड मीटर ही लगाए जा रहे थे। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस अनिवार्यता का लगातार विरोध किया था। संसद में उठे सवालों के जवाब में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने स्पष्ट कहा था कि प्रीपेड मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है। यह पूरी तरह उपभोक्ताओं की इच्छा पर निर्भर करता है।

केंद्र सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता पूरी तरह खत्म कर दी है। अब सिर्फ स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, लेकिन वे प्रीपेड हो या पोस्टपेड, यह फैसला पूरी तरह उपभोक्ता पर निर्भर करेगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने यह आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां सभी नए और पुराने बिजली

सचिव ने यूपी के डीआईओएस व बीएसए को जारी किए आदेश अविध स्कूलों और कोचिंगों पर लगेगा अंकुश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश भर में अमान्य विद्यालयों और नियम विरुद्ध चल रही निजी कोचिंग की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।



■ अभियान 18 अप्रैल तक चलाया जाएगा, बिना मान्यता स्कूल चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित, कठोर कार्रवाई का प्रावधान

मंगलवार को परिषद के सचिव भगवती सिंह आदेश जारी कर सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस), जिला वैसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) और खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को 18 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह के स्तर से जारी निर्देश के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों में बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों के

शिक्षकों के निजी कोचिंग संस्थानों में संलग्न होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। जबकि इसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, परिषद के विनियमों और कोचिंग नियम से जुड़े नियमों का उल्लंघन माना गया है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि बिना मान्यता विद्यालय चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में आर्थिक दंड सहित कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। साथ ही, मान्यता प्राप्त विद्यालयों के

शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग में पढ़ाना भी नियमों के विरुद्ध है, जिस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिषद ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में कहा है कि शासन स्तर पर पहले ही जिला विद्यालय निरीक्षकों की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जा चुकी है, जिसमें बीएसए और बीईओ सदस्य हैं। सचिव भगवती सिंह ने कहा कि अभियान के बाद सभी जनपदों को 30 अप्रैल 2026 तक विस्तृत

आबकारी विभाग में 722 पदों पर बंपर भर्ती लखनऊ। यूपी के बेरोजगारों के लिए आबकारी विभाग में सिपाही बनने का सुनहरा मौका है। विभाग ने बंपर वेकेंसी निकाली है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने आबकारी सिपाही मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन मांगे हैं। आबकारी सिपाही के 722 पदों के लिए विज्ञापन निकाला गया है। सिपाही बनने के लिए इच्छुक इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आबकारी सिपाही मुख्य परीक्षा के लिए केवल वही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जो विज्ञापन में दी गई शर्तों को पूरा करते हैं। प्रारंभिक क्वालीफिकेशन परीक्षा 2025 फिलिमनरी एलिजिबिलिटी टेस्ट (पेट 2025) में सम्मिलित हुए हैं और उन्हें आयोग की ओर से प्रारंभिक एलिजिबिलिटी परीक्षा 2025 का स्कोर काई जारी किया गया है। मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को शॉर्ट लिस्टिंग उनके प्रिलिमनरी एलिजिबिलिटी टेस्ट पे 2025 के नॉर्मलाइज्ड स्कोर के आधार पर मेरिट के अनुसार की जाएगी।

रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। रिपोर्ट में अविध विद्यालयों की संख्या, उनके खिलाफ की गई कार्रवाई, निजी कोचिंग में शिक्षकों की संख्या व उनके विरुद्ध कदमों का विवरण देना अनिवार्य होगा।

सेंसेक्स 74616.58	सोना 147000	अर्थ व्यापार	चांदी रु. 231000
निफ्टी 23123.65	प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)		प्रति किलो

शेयर बाजारों में तेजी जारी सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा

मुंबई, वार्ता
 घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 509.73 अंक (0.69 प्रतिशत) चढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त में 23,123.65 अंक पर पहुंच गया।



शुरुआती गिरावट के बाद बाजार में तेजी लौट आई। सुबह के कारोबार में सेंसेक्स एक समय 800 अंक से ज्यादा लुढ़क गया था, लेकिन दोपहर बाद कम कमात पर हुई लौटवारी से यह तेजी नशान में लौट गया। मझौली कंपनियों में तेजी रही जबकि छोटी

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2 हजार रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले वह 1.49 लाख रुपए पर था। एक किलो चांदी 3 हजार रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए रह गई। सोने की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावृद्धि और ईरान जंग से गिरावट आई है। अपने उच्चतम स्तर से सोना अब मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। चांदी ऑल टाइम हाई से 1.54 लाख सस्ती हो चुकी है। हमेशा (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। चांदी असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती।

मॉर्गन स्टैनली ने भारत की वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली, वार्ता
 पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों की कठिन परिस्थितियों को मद्देन रखते हुए मॉर्गन स्टैनली ने भारत की वृद्धि का अनुमान घटाया है। मॉर्गन स्टैनली ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के अनुमान को प्रतिशत 0.30 अंक घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले संगठन ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया था। मॉर्गन स्टैनली का अनुमान है कि 2026.27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहेगी तथा गैस की उपलब्धता एक अतिरिक्त बाधा होगी। मॉर्गन स्टैनली को तब जा रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन की बढ़ती कीमत और औद्योगिक आपूर्ति में कमी से उत्पादन के संभावनों की लागत बढ़ रही है और चुनिंदा वस्तुओं के उत्पादन में कटौती करनी पड़ रही है। रुपये की कमजोरी के बीच उत्पादित महंगाई बढ़ रही है। मॉर्गन स्टैनली ने

दलित वोट पर टिकी भाजपा सपा-बसपा की उम्मीदें

शाह टाइम्स ब्यूरो
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तपिश अभी से देखी जा रही है। यूपीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण वोटों की नाराजगी के बीच इस बार सत्ता के केंद्र में दलित वोट बैंक बना हुआ है। प्रदेश की करीब 21 प्रतिशत दलित आबादी ने सिर्फ आरक्षण सौदों बल्कि सामान्य सीटों पर भी निर्णायक भूमिका निभाती है। यही कारण है कि भाजपा, सपा और बसपा तीनों ही दल इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। वर्तमान में यूपीसी के नए नियमों को लेकर सवर्ण समाज के बीच भाजपा के प्रति असंतोष देखा जा रहा है। हालांकि भाजपा इस तरह की नाराजगी से इंकार कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह मुद्दा बातचीत का हिस्सा बन चुका है। इसी बीच विकल्प के तौर पर बसपा सुप्रीमो मायावती के बयान और उनके शासनकाल के कानून-व्यवस्था की चर्चाएं प्रामाण्य इलाकों में फिर सुनाई देने लगी हैं। हालांकि चुनाव अभी दूर हैं और राजनीति के समीकरण समय के साथ बदल रहे हैं। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी रणनीति बदलते हुए गैर-जाटव दलितों जैसे पासी, वाल्मीकि और अन्य समुदायों पर खास फोकस किया है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे मुफ्त राशन, आवास, शौचालय और आयुष्मान योजना के जरिए भाजपा ने लाभाधी वर्ग तैयार किया है, जिसे वह वोट में बदलने की कोशिश में है। साथ ही डा. भीमराव अंबेडकर के विचारों और स्मारकों को प्रमुखता देकर पार्टी सामाजिक संदेश भी दे रही है। एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तरफ से पार्टी के स्थानपना दिवस के दिन राज्य भर में डा. अंबेडकर की सभी प्रतिमाओं पर सुरक्षात्मक छत्र देने की घोषणा को इसी रूप से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि जाटव वोट बैंक में भाजपा की पकड़ अभी भी सीमित मानी जाती है।

यूपी में जाम से निजात पाने के लिए 20 जिलों में सी-आरटीसी योजना लागू

शाह टाइम्स ब्यूरो
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने कहा है कि प्रदेश में तेजी से बढ़ते ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात निदेशालय द्वारा सी-आरटीसी (सिटी रेड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन) योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पहले चरण में प्रदेश के 20 जिलों के 172 प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर उन्हें जाम मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पुलिस राज्य मुख्यालय के सिमनेवर बिल्डिंग में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री कृष्ण ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए योजना के तहत प्रदेश में उन मार्गों को चिन्हित किया गया है, जहां पीक आवर्स में सबसे अधिक जाम लगता है। चिन्हित मार्गों में आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ,



मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज सहित 20 जिले शामिल हैं। इन मार्गों पर यातायात को सुचारु बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि योजना की सबसे अहम कड़ी 'रूट मार्शल' प्रणाली है। 'एक रूट, एक रूट मार्शल' के सिद्धांत पर प्रत्येक मार्ग के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो उस मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पूरी तरह उत्तरदाई होगा। आवश्यकता अनुसार एक अधिकारी को एक से अधिक मार्गों की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि इस योजना में एआई आधारित

खड़गे का हिमंता पर हमला लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव मतदान से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस वार्ता कर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा। श्री खड़गे ने राज्य की जनता से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए प्खबसे भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम में भ्रष्टाचार बढ़ा है और मुख्यमंत्री केवल अपने निजी हितों को साध रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पंचमिडकेट राज चल रहा है, जिसमें जमीन उनके करीबी लोगों और कॉर्पोरेट्स को सौंपी जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा नेता भ्रष्टाचार को खिलाफ होने का दावा करते हैं, जबकि दूसरी ओर असम में कथित

भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कांग्रेस नेताओं गौरव गोर्गी और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गांगोई का जिक्र करते हुए कहा कि उनका रिकॉर्ड साफ रहा है और उन्होंने कभी इस तरह के आरोपों का सामना नहीं किया। श्री खड़गे ने असम के नायक बुबिन गर्ग से जुड़े मामलों में न्याय में देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने में देरी हुई और सवाल उठाया कि आखिर मुख्यमंत्री किस बचाना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने वादा किया कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो 100 दिनों के भीतर इस मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और दायित्वों को सजा दिलाई जाएगी।



भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कांग्रेस नेताओं गौरव गोर्गी और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गांगोई का जिक्र करते हुए कहा कि उनका रिकॉर्ड साफ रहा है और उन्होंने कभी इस तरह के आरोपों का सामना नहीं किया। श्री खड़गे ने असम के नायक बुबिन गर्ग से जुड़े मामलों में न्याय में देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने में देरी हुई और सवाल उठाया कि आखिर मुख्यमंत्री किस बचाना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने वादा किया कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो 100 दिनों के भीतर इस मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और दायित्वों को सजा दिलाई जाएगी।

बाइकों की आमने-सामने भिड़त में एक की मौत, तीन गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बौसपुर। सयकखानपुर गाँव में अनाथ छात्रा गण्डेन पंच के निकट दर्दनाक हादसा हुआ था जिसमें दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। एक बाइक पर एक युवक की मौत हो गई थी। तीन गंभीर रूप से घायल बालिका अस्पताल भेरी गई।

साइकल हादसे में क्षेत्र के प्राम सिय्या खानपुर निवासी अजुल सलीम अपनी नौ साल की पुत्री चिन्मा खालिया को मारने के कारण कुछ सामान दिलाते बौसपुर लौटने की राह में दिलाकर अपने घर वापस आ रहे थे। तभी ग्राम अनाथ छात्रा निकट पेट्रोल पंप के पास पहुँचें सामने से अनियंत्रित गति से आ रहे बाइक सवार ने उनको बाइक में टक्कर मारी दो टक्कर लगीं हो दुर्घटना का कारण बन गया। घातक घटना पर पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेज दिया। घायलों को अस्पताल भेज दिया। घायलों को अस्पताल भेज दिया।



घायलों का डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर होने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

डीएम पीलीभीत को धमकी देने वाला बलजिंदर सिंह गिरफ्तार

एडिटर काजी की धमकी देने की आडोखा हुई थी

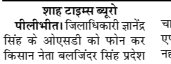
एडिटर काजी की धमकी देने की आडोखा हुई थी

घमकी देने वाले डीएम पीलीभीत बलजिंदर सिंह गिरफ्तार

पुलिस अडीआर सुभाषि निरुद्ध क्रय केन्द्र का कानूनी इन्तजाल

पुलिस अडीआर सुभाषि निरुद्ध क्रय केन्द्र का कानूनी इन्तजाल

पुलिस अडीआर सुभाषि निरुद्ध क्रय केन्द्र का कानूनी इन्तजाल



पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के आदेशों को फोन कर किसान नेता बलजिंदर सिंह प्रेशा

आजमपुर बरखेड़ा में गंदगी का अंबार, शौचालय और सोलर बाइकोजना पर उठे सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

बौसपुर। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के आदेशों को फोन कर किसान नेता बलजिंदर सिंह प्रेशा

कई शौचालय जर्जर हालत में हैं, जिससे उनका उपयोग करना मुश्किल बन गया है। गाँव के लोगों ने प्रधान मंत्री कुमार् एवं संबन्धित अधिकारियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया है। गाँव के लोगों ने प्रधान मंत्री कुमार् एवं संबन्धित अधिकारियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया है। गाँव के लोगों ने प्रधान मंत्री कुमार् एवं संबन्धित अधिकारियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया है।

डीएम बरेली की पहल: अब शायदियों में आसानी से मिलेंगे कर्मशियल गैस सिलेंडर

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। शादी-विवाह के मौजमें मैं गैस सिलेंडर की किल्लत से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह की पहल पर अब विवाह आयोजनों के लिए कर्मशियल गैस सिलेंडर को व्यवस्था आसान कर दी गई है।

मौलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जला दर्शन के दौरान लोग शादी का कार्ड और प्रार्थना पत्र लेकर गैस सिलेंडर को मांगा को लेकर पहुंचे थे। जिलाधिकारी ने मामले को भीता से लेते हुए तुरंत अतिथि कर्मियों के सहयोग में गैस पंप ही 8 कर्मशियल गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिए। इससे जलदर्शन को तालमेल रहता मिलेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में आयोजित होने वाले विवाह समारोहों के लिए कर्मशियल गैस के तहत कर्मशियल गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। त्वरित पुर्न आयोग के अग्रसार, अब तक 225 आवेदनकों को 725 कर्मशियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके साथ ही आमजन को यह भी बताया गया है कि 5 कर्मशियल गैस 'ओट्टी' (एनपीएन) गैस सिलेंडर जनपद की 91 गैस एजेंसियों पर पर्यटन



मात्रा में उपलब्ध है। इसके लिए कनेक्शन लेते समय 1500 रुपये प्रत्येक सिलेंडर के लिए जनपद में एलपीजी गैस सिलेंडर का नैतिक जाल हो चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में एलपीजी गैस सिलेंडर का नैतिक जाल हो चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में एलपीजी गैस सिलेंडर का नैतिक जाल हो चुका है।

पूरनपुर गन्ना समिति में 'फर्जी सट्टा सिंडिकेट' का पर्दाफाश

कागजी किसानों के नाम पर भ्रूतान्त, करोड़ों के घोटाले की आशंका

पूरनपुर। क्षेत्र से एक बेहद चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें न सिर्फ गुना विभाग बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि पूरनपुर गुना समिति में सुनिश्चित तरीके से "फर्जी सट्टा सिंडिकेट" चलाया जा रहा है, जिसके जरिए गुना समिति के किसानों को खड़ा कर सकाराती बन की गयी है।

यह न सिर्फ घोषाबाड़ी है, बल्कि सकाराती बन के साथे प्रशासन का मामला भी है। कम बजट में, ज्यादा सकाराती बन के द्वारा चेहरा बुर बनाने के कि समिति में कई ऐसे सट्टे चल रहे हैं जहाँ जमीन बालिकाओं से कम है लेकिन सट्टा (गुना आरपी) को माता। अधिक दिखाना गया है इसका तुरंत नुकसान हो गया है। सकाराती बन की पहल, पहाचन, बैंक खाता और अन्य अभिलेखों का सत्यापन अनिवार्य होता है लेकिन पूरनपुर समिति में इस पूरी प्रक्रिया को सिर्फ औपचारिकता बनकर छोड़ दिया गया है।

जॉय में सामने आया है कि बिना बैंक अभिलेखों के किसानों के नाम

एक नजर

कंबाइन से दबकर मजदूर की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

चालक कंबाइन लेकर फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। तहसील कलींगर में एक दिन तहसील देर वाली घटना सामने आई है। ग्राम पंचायत भुविणगी पर्यटन को बहरी कालोने मिला 35 वर्षीय मजदूर हरिचंद्र को कंबाइन सवार को चपेट में आने से बचने पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जिलाधिकारी के अनुसार, हरिचंद्र द्वारा पंचायत मुख्यालय निवासी बरकात सिंह के घर में मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह बरकात सिंह अपने खेत में कंबाइन से गैस की कटौत कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने मजदूर हरिचंद्र से खेत के किनारे का गैस दरवाजे से कटौत को कहा। हरिचंद्र दरवाजे लेकर किनारे का गैस कटौत लगा, तभी कंबाइन मशीन अनियंत्रित होकर उल्टे करार चढ़ गई। कंबाइन का अनाथ ड्राइवर हरिचंद्र के ऊपर चढ़ गया, जिससे उसकी मौत पर हो मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों मौत के पहुंचे, लेकिन तब तक हरिचंद्र को मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद कंबाइन मालिक बरकात सिंह और कंबाइन चालक मशीन लेकर मौत से फरार हो गए। पुलिस ने मामले पर आरोप लगाते हुए हरिचंद्र को मारने का प्रयास में पिता, नौ बच्चे और दो बहन हैं। हरिचंद्र की मौत से परिजनों पर दुःख का घट्टा पड़ रहा है। परिजनों ने भी - बरकात द्वारा हादसे है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शक को कम करने के लिए पोस्टमार्टम के लिए मंत्र किया है और मामले को जांच शुरू कर दी है।

बेन-हर के सभी परिसरों में विद्युत स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों की धूम

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। विद्युत स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बेन-हर के विभिन्न परिसरों में हर उपखण्ड (उपखण्ड गैर कैंपस बेन-हर, हरदोई, कौनार, केदार सिंह कैंपस, बेन-हर, हरदोई कैंपस एवं पकटा कैंपस) में पर्यटन से कमी तक विद्युत स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन वृद्धे उपाय के साथ किया गया। इन गति, विभिन्न को मुख्य उद्देश्य कने-मूने बच्चों में प्रसार से ही स्वस्थ जीवनशैली को आगे बढ़ाना किताबत बना था। बेन-हर स्थित परिसरों को सीमा में बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य, व्यायाम (हाइजीन), पोषण एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को मजबूत करने में जागरूकता दी। साथ ही बच्चों को पीछे आगे ले जाने के लिए कैंपस में चले रहे को सहसा ही जीवन के मैनिंगिंग धारक बच्चों के लिए सही तरीके में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए साथ में, नाचक साधन, दांतों को सही तरीके, मानसिक स्वास्थ्य, विभिन्न शक करने तथा मोटी चढ़ाई को सीमित करने के महत्व को सरल तरीके में समझाया। वहीं, बच्चों किट्स वलेंट में बच्चों को लक्षित और अनेकदिने फुट के बीच और समझाया गया, तथा बच्चों को लुप्त जातिका को माया से चिकित्सक के उपचार और चर्चा - परिवर्तन के अंतर्गत को प्रस्तुत किया। सभी बच्चों ने इच्छा पत्र का आनंद भी लिया। यह सभी कार्यक्रम प्रति-सामग्री जनार्ण आदिनी प्रणयण्य एवं बीना समरानी की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन में एकदिवसीय ईवांच गुप्तसक सिंह एवं एकैकीम डारवंड आरपी दीक्षित ने विशेष भूमिका निभाई।

भाकियु टिकैट के पदाधिकारी ने डीएम का दिया ज्ञापन, गैहूँ तौल की देरी से नाराज दिखे किसान नेता

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। भारतीय किसान युनियन का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह से मिला जिसमें जयपुर में सकाराती गैहूँ क्रय केंद्रों पर वादाना उपलब्ध कराने एवं भ्रूतान्त इस्तर मशीनों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। जिसमें जिला अधिकारी पीलीभीत द्वारा आवश्यक विषयों को तत्काल जनपद के किसानों का गैहूँ खरीद प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि यदि कहीं किसानों के साथ अनदेखी को जाती है तो तालमेल सूचना दी जाए जिससे दिशियों एवं कार्डों को जो सके। प्रतिनिधि मंडल में बरक प्रकाश शर्मा निला अग्रवाल, सचिव स्वराज सिंह, आर जिला अग्रवाल सुधीर सिंह, सरदार घुमान सिंह, बडी ठाकुर, निम्न ठाकुर आरि लाल मजुंदर रहे।

तहसीलदार कार्यालय गेट पर मिला धमकी भरा पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। जनपद की कलींगर तहसील में उस समय अफस-तफरी का माहौल बन गया, जब तहसीलदार कार्यालय के मुख्य गेट पर किमती अनाथ शरारती तत्व द्वारा धमकी भरा पत्र चरक चला कर पढ़ाया गया। सुबह जब तहसील कर्मचारी को तहसिल कार्यालय पर पहुंचा, तो गेट पर लगा साहित्य कागद देकर सभी दरवाजे बंद कर दिए गए। बताया जा रहा है कि तहसील कर्मचारियों को मौल चरक की धमकी के साथ साथ अज्ञान और दरमने का भी प्रयास है। इसमें "धमकी को खंडित करने आशा" जैसे वाक्य भी शामिल थे, जिससे कर्मचारियों में भय और अप्रसन्नता की स्थिति पैदा हो जायेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के कार्यक्रमों में बाधा पड़ेगी।

क्षेत्र के लोगों को चढ़ा तमचे का शौक दो दिन में पुलिस ने चार को भेजा जेल



शाह टाइम्स संवाददाता

नवागढ़वाड़ा। क्षेत्र के लोगों को चढ़ा तमचे का शौक है। दो दिन में पुलिस ने चार को भेजा जेल। बताया जा रहा है कि तमचे का शौक करने वाले लोगों को चार को भेजा जेल। बताया जा रहा है कि तमचे का शौक करने वाले लोगों को चार को भेजा जेल। बताया जा रहा है कि तमचे का शौक करने वाले लोगों को चार को भेजा जेल।

पीलीभीत में 4.2 सड़कों को मिली मंजूरी, 12.41 करोड़ रुपये स्वीकृत

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। जनपद में सड़क निर्माण को लेकर बड़ी सकाराती मिली है। जिला प्रसार की परेवी पर ग्रामीण अधिग्रहण विभाग (आरपी) की 42 सड़कों को स्वीकृति मिला गई है। इन सड़कों के निर्माण के लिए 1241 लाख रुपये की पंचसही भी जारी कर दी गई है। कुल 37.36 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के प्राथमिक क्षेत्रों में आवश्यक को बडी शहर मिलने को उम्मीद है। स्वीकृत सड़कों में 15 सड़कें बरखेड़ा विभाग में, 12 सड़कें, 10 पूरनपुर और बौसपुर विभाग में सड़कें को शामिल हैं। इन सड़कों के निर्माण को गांव-गांव परकरी डायर

सड़कों का जाल बिछाया, जिससे लोगों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिलेगी। किसान नेता एवं आर्थिक विचार मंच उर प्रेशा के प्रवर्तिका स्वयंसेवक देव प्रकाश ने बताया कि गांव में गांव में भी जिलेन प्रसार द्वारा योगी आरिदयव्यय से परेवी कर पीडब्ल्यूडी और गुना विभाग को सकाराती को मंजूरी दिलाई गई थी।

उन्होंने बताया कि नवागढ़वाड़ा और डगा क्षेत्र में निर्माण बंद पाये पड़े पुरे में हरदोई को भी स्वीकृत मिल चुका है। इसके अलावा भगा माहन्दन गाँव और नारायण कालोनी के बीच देवरा नदी पर पुनः एवं

शाही पुल की सुरक्षा हेतु 1.79 करोड़ की परियोजना का किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

मौरंगना। मंगलवार शाम करीब छह बजे शाही पुल की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई। सांसद छत्रपाल सिंह गंजकार एवं विधायक डॉ. डी. सी. बर्मा ने 1.79 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित सुरक्षा परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया। परियोजना के तहत पुल के दोनों ओर एवं पूर्व एवं पश्चिम दिशा में सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाएगा, जिससे राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त पुल के सूखी ओर पर लकड़ एवं पत्थर को मजबूती के लिए 200 मीटर लंबाई का निर्माण किया जाएगा। पुल के दोनों किनारों पर करीब 200 मीटर लंबाई का निर्माण किया जाएगा और पुल को मजबूत का कार्य भी किया जाएगा। सांसद और विधायक ने सांसद छत्रपाल सिंह गंजकार ने विधायक डॉ. डी. सी. बर्मा के बतौर को संचालन करते हुए उन्हें संबिधान्य पुरस्च को संभा दी। उन्होंने कहा कि बतौर की श्रेणी में जिला विकास कार्य विधायक द्वारा कराया गया है, उनका कर्तव्य अन्य ने नहीं किया। वहीं विधायक डॉ. डी. सी. बर्मा ने कहा कि उनके कार्यकाल में अतिरिक्त मीलों की सड़कों का निर्माण कराया जा चुका है। यदि किसी गाँव में सड़क निर्माण नहीं है तो संबंधित लोग उन्हें अन्याय कहेंगे। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि कोई भी गाँव सड़क मार्ग से वंचित नहीं रहेगा। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता भगत सिंह, अरवि अभियंता राजू बर्मा, सहायक अभियंता प्रदीप गंजकार, अरवि सिंह, शिवम शर्मा, मुकुंद शरणांगी, रॉय सिंह, रोहित शर्मा, केशव शर्मा आदि मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के आदेशों को फोन कर किसान नेता बलजिंदर सिंह प्रेशा

समूह की महिलाओं को आमने दारा निर्मित उपाय एवं कलाकृतियों जैसे इन्टरव्यू सामग्री, विलास-कढ़ाई, साधा उपहार, सजावटी वस्तुएं एवं अन्य वस्तु उपकरण को माला के स्थल लगाए गए। इन स्टांलों के माध्यम से महिलाओं ने अपनी कला एवं उद्यमशीलता को प्रदर्शन किया। उपस्थित अधिकारियों एवं

अतिथियों द्वारा स्टांलों का निरीक्षण कर महिलाओं के कार्यों को सराहना की गई तथा उनके उत्पादों की गुणवत्ता एवं नवाचार को प्रशंसा की गई। साथ ही महिलाओं को माला के उत्पादों के अवसरों को बढ़ाने, अपने उत्पादों के विपणन एवं नारायण मालाओं में जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

डीएम ने पूरनपुर मंडी में स्थापित गेहूँ क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के आदेशों को फोन कर किसान नेता बलजिंदर सिंह प्रेशा

केंद्रों पर उर्वरक वक्रेट प्रभावों एवं किसानों से संबन्धित कानूनी समस्याओं से अवगत होत हुए गेहूँ को लाल की जातकारी करा कर की व गेहूँ खरीद को दैनिक लक्ष्य के अनुरूप करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्दिष्ट करत हुए कहा कि किसानों की सभी समस्या का समाधान न करना एवं बिना बिना सभी व्यवस्थाएं दुस्तल कर ली जाएं। किसानों के क्रेटों पर अतिरिक्त, काटा बंध, नया मापक नये आदि के बारे में क्रेट प्रभावों से जानकारी प्राप्त करने हुए उन्होंने क्रेट प्रभावों को निरीक्षण करण हुए कहा कि खरीद के उपकरण उपाय पूर्ण सक्षम हो कि निर्दिष्ट का मापकरण करना सुनिश्चित करें। गेहूँ खरीद में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करती जाये,

गेहूँ खरीद को लेकर डीएम सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गेहूँ खरीद व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी क्रेट क्रेट प्रभावों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसानों को किसी भी प्रकार की अनुविधा नहीं होनी चाहिए। बैठक में डिप्टी आरएओ ने जानकारी दी कि जनपद में गेहूँ खरीद को अक्टूबर 30 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। इस वर्ष संधर्भ मूल्य में 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि के साथ कुल 2585 रुपये प्रति क्विंटल तक की गई है। सभी क्रेट क्रेट प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित कि प्रत्येक क्रेट पर सभी आवश्यक आभिलेख अनिवार्य रूप से उपलब्ध होना चाहिए। जिले के पौधियों की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बाहरी या नौसे के कारण किसानों को गेहूँ खरीद न हो। साथ ही किसानों को बने के लिए आवश्यकताओं पर ध्यान दे चने को व्यवस्था में अनिवार्य रूप से की जाए। निर्देशों के तहत केंद्रों पर सांसद द्वारा निर्धारित वर एवं कनेक्शन रूप की जाँच की स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होनी चाहिए।



प्रतिदिन मापक के अनुरूप गेहूँ को खरीदारी सुनिश्चित की जाये तथा किसानों को भ्रूतान्त उपाय उखाले में सौधे भेजा जाये। उन्होंने केंद्रों पर किसानों को बेचने सहित अन्य सुविधा मुहैया कराने हुए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी पूरनपुर सहित अन्य अधिकारी एवं क्रेट प्रभारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सरदार सतवंत सिंह सलूजा बने प्रदेश प्रभारी

व्यापारियों में खुशी की लहर

शाह टाइम्स संबाददाता धामपुर। स्टेशन रोड स्थित एक होटल में पंचमिच 3.30 उद्योग व्यापार मंडल (धामपुर) द्वारा आयोजित व्यापार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और आयोजन अत्यंत सफल एवं परिणामसम वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल एवं आतिथि निमित्त अध्यक्ष अशोक कुमार शीवास्वत, सीओ अमय पांडे, कोतवाल मुकुल कुमार, निमित्त अध्यक्ष रूप में प्रदेश महामंत्री (महिला अंग) मीनका स्वयं पावत, प्रदेश कोषाध्यक्ष अलीश



हृदय निर्वादी को, प्रदेश प्रभारी युवा जगत तसलीम इदरीनी, जिलाध्यक्ष निमित्त राजपुत्र, निमित्त अध्यक्ष महिला मोना अंग्रवाल को, मंडल प्रभारी/अध्यक्ष जावेद रिशवान शामी, नगर अध्यक्ष शोकांत अंसार अहमद, एलएचसी चौधरी, प्रशांत गुप्ता, अखिल गुप्ता, सुभाष नैन, विश्वेश अग्रवाल, सुभाष नैन, स्वयं पावत, दिनेश चंद नवीन, नवीन गुप्ता, शाफकत

एवस पाली रहे। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार सतवंत सिंह सलूजा को प्रदेश प्रभारी बनाया जाने की घोषणा की गई। जिससे व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सरदार सतवंत सिंह सलूजा ने प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र महामंत्री मुकुल अग्रवाल के प्रति

कोतवाल मुकुल कुमार को सम्मानित किया। गुलफाम बिजनौरी को भी स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद नए जुड़े व्यापारियों को मनोनीय पत्र व पहचान पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन इरशाद धामपुरी ने किया। कार्यक्रम सफल बनाने में नगर अध्यक्ष धामपुर एसपी बालूजा, अखिल फरीदी, सुशीला शर्मा, सुशैल विद्यानगर, सय्याम फरीदी, अमित गुप्ता, मोहम्मद आसिफ, रशान शामी, सुलेमान इदरीनी, हाजी इरान खान, रवींद्र सिंह बिजाना, साहब खान, मोहम्मद नदीम, अजीत यादवा, मुकेश सैनी, शोभा वैभव, अमर लल्लानी, रंश आगवाल, अमर लल्लानी, निराल सिंह, अमर लल्लानी, दिवाकर मालिक, मोहम्मद शाकिर, मोहम्मद हसन, आसिफ मालिक आदि का योगदान रहा।

धामपुर फ्लेम-बी ने जीता क्रिकेट मैच

शाह टाइम्स संबाददाता धामपुर।

बल्लेबाज साहिक खान ने पहले आउट में चले ओवर में ही साहिक के ओवर में 34 बना कर मैच जग हाइटे कर दिया। अमराम आतिथ अंतर्गत एच. व पप्पू कचानत रहे। दूसरा मैच ग्राम बसनाली व बिजनौर क्लब के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बिजनौर क्लब बना 6.5 रन पर आउट ओवर में 100 रन बनाए। जिसमें साहिक ने 30 रन तालियन में 22 रन, सुशैल उर्फ सैमी ने 12 बनाए। दूसरी टीम धामपुर फ्लेम-बी ने रनों का पीछा करते हुए आसानी से जीत हासिल की।



दूसरे मैच में एस्एचए धामपुर आसानी से जीत हासिल की। पहले आउट में चले ओवर में ही साहिक के ओवर में 34 बना कर मैच जग हाइटे कर दिया। अमराम आतिथ अंतर्गत एच. व पप्पू कचानत रहे। दूसरा मैच ग्राम बसनाली व बिजनौर क्लब के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बिजनौर क्लब बना 6.5 रन पर आउट ओवर में 100 रन बनाए। जिसमें साहिक ने 30 रन तालियन में 22 रन, सुशैल उर्फ सैमी ने 12 बनाए। दूसरी टीम धामपुर फ्लेम-बी ने रनों का पीछा करते हुए आसानी से जीत हासिल की।

एक नजर

भाकियु ने सौपा ज्ञापन

कोतवाली देहात। भाकियु (आयनैतिक) की मासिक बैठक ब्लॉक सभागार में हुई। बैठक की संघीयता करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश काकरवार ने कहा कि ग्राम विकासद्वारा उर्फ सभासुद्वारा कराई जायत सुव्यवस्था में मोटो चोरी की गई है। चोरी की घटनाओं का तुरंत खुलासा होना चाहिए। किसानों के नुकसान की भरपाई होनी चाहिए। ग्राम जगनाथपुर के विक्टर सिंह के दसवें बच्चे पर भी चोरी हुई एवं चोरी हुए हैं। सिक्कीयोंटी केमरे के आईएफआई नंबर को टूट कर कट लुप्त किया जाय। ग्राम सभागार चोरी में सगीर अहमद के 90 युकेलिप्टस के पेड़ अनात लोगों के द्वारा खराब हो गए हैं। मामलों में कार्रवाई होनी चाहिए। ब्लॉक कोतवाली देहात में रिवाज गोपाला की गोपनीयता की भूमि पर कब्जा हुआ है। सभी भूमि कब्जा मुक्त कराई जाए। फौज में खानाघरों को फोटे ट मिलने की समस्या का समाधान कराया जाए। चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने के लिए थाना अध्यक्ष कोतवाली देहात को ज्ञापन सौंपा गया। बैठक को धर्मपाल सिंह, मुकुल ल्यागी, विक्टर सिंह, समर पाल सिंह, अजुत तोमर, संदीप ल्यागी, निरंज उदरानन, बाबुराम सिंह, कामेश तोमर, सगीर अहमद आदि ने संबोधित किया।

झूले से गिरकर युवक घायल

नजीबाबाद। राधपुर तिहार के पास लता रही गा. इस में झूले से गिरकर एक युवक गंभीर घायल हो गया। जलावाबाद के मोहल्ला इरलात नगर निवासी अजीत पुर अनीस अपने परिवार के साथ राधपुर तिहार पर लता रही नुमाशरी में लगे आया था। वह नुमाशरी में चले गये नाले झूले पर झूल रहा था। अचानक से वह झूले से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। एम्बुलेंस द्वारा उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए श्विचरि एम्स भेज दिया गया। सूचना मिलने पर नवीन भंडी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

गायत्री मंत्र की दीक्षा दी

इत्वार। मोहल्ला चामनवाला में शांतिकुंज हड़पार के मार्गदर्शन में आयोजित 24 कुटीय गायत्री महासम एवं संस्कार महासम का आयोजन पूरे प्रदेश और उत्तराख के साथ जारी है। पार दिवसीय इस आयोजन के तीसरे दिन आज विभिन्न वैदिक संस्कार सम्पन्न कराए गए। शांतिकुंज टोली के मुख्याध्य. डा. अशोक ने 60 पुरुषों एवं 35 महिलाओं को गायत्री मंत्र की दीक्षा प्रदान कर उन्हें उचित श्रीमंथ शर्मा अर्चा को गुरु रूप में स्वीकार करने का संकल्प दिलाया। इसके साथ ही सात पुनर्वसन संस्कार, दस विद्यार्थी संस्कार, पांच अग्रप्रश्न तथा तीन मुद्रा संस्कार विधिवत संपन्न कराए गए। प्रश्न देते हुए डा. अशोक ने कहा कि शिक्षा और योग्यतापूर्ण भारतीय संस्कृति की पहचान है और गुरु-शिष्य परंपरा हमारे राष्ट्र की महान परंपरा रही है। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद, विरानंद-दयाल, संत, प्रभु आदि विचारविम्वन-राम जै उदारगरी के माध्यम से इस परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि नारी को भी योग्यतापूर्ण धारण करने, गायत्री मंत्र जपने और यज्ञ करने का पूर्ण अधिकार है। वैदिक काल में मैत्री, सभा और विश्वासवा जैसी विदुषी महिलाओं ने सेवा के क्षेत्र में कर समाज को दिशा दी। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के अध्यक्षका डा. दीपक कुमार ने कार्यकर्ताओं से पर-पर गायत्री एवं गांव-गांव यज्ञ के प्रसार का आह्वान किया। इस दौरान अतिथि यावत, इंदर वैद्य, पंडित सोमेश्वर दत्त शर्मा, कृष्णा देवी चौहान, नीतू, कोशल सहित अनेक अग्रदूल उपस्थित रहे।

फिट इंडिया मैराथन एवं रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संबाददाता धामपुर।

इंस्टीट्यूट्स द्वारा विषय स्वास्थ्य विकास के उद्देश्य में 'फिट इंडिया मिनी मैराथन' का भव्य आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ संस्था की चेरचरसन डा. नीलम अग्रवाल, महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव अशोक अग्रवाल एवं सचिव राधुबी कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह मैराथन सुबह 6 बजे 'एचपी मेट्रो पार्क' नीट्टू से प्रारंभ होकर कालेज परिसर में समाप्त हुई। जिसमें 667 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संस्था के संयुक्त सचिव अशोक अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। मैराथन के प्रतिभागियों



के लिए नगर प्रसूकरा रखे गए। जोकि बालक वॉ व बालिका वॉ के लिए अलग-अलग दिया गया। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 5100 रु., द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 2100 रु. एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 1100 रु. का नगर प्रसूकरा देकर सम्मानित किया गया। जिसमें बालिका वॉ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों एवं बाइर से आए सभी आगंतुकों को आभार व्यक्त किया।

अकेडमिक इंचार्ज अमित

एक नजर

तीन चोर दबोचे, सामान बरामद

कोतवाली देहात। ग्राम शारीपुर निवासी किसान राजपाल कश्यप के पुत्र हर्ष कश्यप का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में एमएससी गणित में हुआ है। हर्ष ने ओलैंड इंडिया 128 रक के साथ प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। हर्ष कश्यप वर्धमान कॉलेज में एमएससी अंतिम वर्ष का छात्र है। हर्ष ने अपनी माध्यमिक शिक्षा राकाजी इंटर कॉलेज बिजनौर से प्राप्त की है। हर्ष ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है। उन्होंने यह बताया कि 128 रक के साथ उत्तीर्ण की है। हर्ष अपनी परफुलता का श्रेय अपने पिता-पिता तथा गुरुजनों को देते हैं। हर्ष का पसना देश की सेवा करने का है।

हर्ष कश्यप ने किया नाम रोशन

कोतवाली देहात। ग्राम शारीपुर निवासी किसान राजपाल कश्यप के पुत्र हर्ष कश्यप का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में एमएससी गणित में हुआ है। हर्ष ने ओलैंड इंडिया 128 रक के साथ प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। हर्ष कश्यप वर्धमान कॉलेज में एमएससी अंतिम वर्ष का छात्र है। हर्ष ने अपनी माध्यमिक शिक्षा राकाजी इंटर कॉलेज बिजनौर से प्राप्त की है। हर्ष ने बताया कि आईआईटी बॉम्बे देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है। उन्होंने यह बताया कि 128 रक के साथ उत्तीर्ण की है। हर्ष अपनी परफुलता का श्रेय अपने पिता-पिता तथा गुरुजनों को देते हैं। हर्ष का पसना देश की सेवा करने का है।

भाकियु की मासिक पंचायत

धामपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की मासिक पंचायत जिला उपाध्यक्ष दुष्यंत राणा की अध्यक्षता में और युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के निदेशन में उद्घाटन अथय प्रताप सिंह चयनित पीओसीके ने निवास स्थान ग्राम मटोली राणा में संपन्न हुई। बंशुनंदन शाह आर हमारे क्षत्रिय समाज के उद्देश्य अथय प्रताप सिंह अंतर्गत समाज के बच्चों से सही रास्ते पर आगे आया किया गया और हमारे कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा हुए मुकदमे दर्ज करने पर जग व्यवस्था आदि मुंडू दर्ज। कार्यक्रम आयोजकों ने सभी महंगमार्ग एवं नगरवासियों को आभार व्यक्त किया। जलसे के समापन पर मुक्त की तस्करी अमन-चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई गई।

फना नल में भनेड़ा की टीम विजेता, मंडावली की टीम उपविजेता रही

नजीबाबाद। मंडावली क्रिकेट क्लब की ओर से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद की कई टीमों में भाग लिया। टूर्नामेंट में भनेड़ा व मंडावली की टीम फाइनल मैच में पहुंची। रिविवात की दोनों टीमों के बीच मुकाबला हुआ। पहले मंडावली की टीम ने खेले हुए 10 ओवर में 90 रन बनाए। जवाबी बल्लेबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भनेड़ा की टीम ने मात्र 7 ओवर में 90 रनों का टारगेट पूरा कर टूर्नामेंट पर कब्जा कर फाइनल मैच जीत लिया। रशकों ने मैच देख खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि आसपा के वार्ड दो से संबन्धित जिला पंचायत सदस्य विद्वानाजी बाबिक मकरानी व ग्राम पंचायत सदस्य प्रत्योशी बाबिक मकरानी व ग्राम प्रधान प्रत्योशी मुजाहिद अली मकरानी ने संयुक्त रूप से फिनाल टीम भनेड़ा के कप्तान नावेद अहमद, उपविजेता टीम मंडावली के कप्तान प्रिंज चौहान को ट्रफी देकर सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। मैच ऑफ द मैच इसरत व मेन ऑफ द सीरीज शादाव अहमद चुने गए। दोनों टीमों के सभी खिलाड़ियों को ट्रफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रामशरार आरजू, डॉक्टर मुजाहिद हुरैमन, नाजिम मकरानी, जैनुल मकरानी, मोहम्मद इकबाल, इसरत, उमर, मुजाहिद, अफजाल जैदी, बुंदू मकरानी, नसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

उलमा-ए-किराम ने दिए दीन व इंसानियत के पैगाम

शाह टाइम्स संबाददाता धामपुर।

श्विक्त होटल में आयोजित भव्य जबरन ए जलसा व जबरन-ए-नजीबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जलिया उरु बहूत तिलक बनात द्वारा गया। जिसमें नगर विभाजन विभाग के अतिथि अशोक अग्रवाल के श्रेय से बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर दीन की महफिल में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ तिलकवा-ए-कुरआन से हुआ। जिसके बाद नए व पाक और उलमा ए किराम की तकरीरों का सिलसिला रहे रात तक जारी रहा। जलसे में पहुंचे वक्ताओं ने दीन व इस्लाम की शिक्षाओं इंजा. निमत भाईचर शिक्षा की अहमियत और समाज में अमन और शांति कायम रखने पर जोर दिया।



कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मरदर के का जबरन-ए-नजीबा रिज्जेट समारोह रहा। जिसमें मरदर के विद्यार्थियों को उरुकुट शौधिक परामर्श भी प्रदान किया गया। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मंच पर सम्मानित कर उनकी होसला इजाहोई एच हुआ। इस मौके पर हिबा इजाहोई एच उला इलाही सहित कई छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं दुआओं के साथ सम्मानित किया गया। उलमा-ए-किराम ने कहा कि नबीयों की दीनी लाली समाज के नैतिक निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। और ऐसे संस्थानों को उरुकुट भविष्य की नींव तैयार करते हैं। इस मौके पर मुनीत अकोली ने कहा कि इल्म ही इंसान को सही पहचान और मुकाम देता है। उन्होंने अभिभाषकों से अपील की कि वे अपने बच्चों जलसकर, बेटों की तालीम पर विशेष ध्यान दें। क्योंकि शिक्षित पीढ़ी ही समाज को तस्करों और सही राह दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि दीनी और दुनियावी शिक्षा का संतुलन इंसान को बेहतर नागरिक बनाता है। कार्यक्रम में बाइर इयान मौलाना कालिब कासमी, मौलाना अरुन इकबाल, मोहम्मद इलाही इलियास, बसपा युवा नेता इतिहासखार चौधरी, अरजल चौधरी, मुफती अकोली, सुफी साहिल, मौलाना इतिहासखार, शाकिर, कारो विश्राम एवं कारो नवाशिरा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम आयोजकों ने सभी महंगमार्ग एवं नगरवासियों को आभार व्यक्त किया। जलसे के समापन पर मुक्त की तस्करी अमन-चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआ कराई गई।

मानवता की जीत: एक साल से लापता युवक का जिला अस्पताल में सफल उपचार, गुरु को सौंपा गया

शाह टाइम्स ब्यूरो मुरादाबाद।

इंसानियत और सम्पन्न को मिलास परा करते हुए जिला अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने एक वर्ष से लापता युवक को न केवल स्या जीवन दिया, बल्कि उसे उरुकुट अपने बंध भी पहुंचाया। हस्पुल निवासी विरवन्धन पुत्र संपन्न मंडल को 3 अरुल को ईम्पटी बालक मिलापल द्वारा गंभीर अवस्था में मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि जब विरवन्धन को अस्पताल लाया गया, तब उसकी हालत बेहद नाजुक थी और चिकित्सक तब तक स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। ऐसे कठिन समय में अस्पताल के



डॉक्टरों और स्टाफ ने पूरी जिम्मेदारी और मानवता का परिचय देते हुए उपचार प्रस्ताव का परियोजना पर तैयारी करवा ली। उपचार उपचार और निगरानी के

शाह टाइम्स ब्यूरो

किसरु थाना क्षेत्र की छोटी भंडी में सोमवार रात 12 बजे तक हादसे में सात वर्षीय मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला।

जानकारी के अनुसार छोटी भंडी गुरु वाली लाल निवासी इसरत हुरैमन ई-रिक्शा चालक हैं। उनका सात वर्षीय बेटा इयाकब सोमवार रात करंट आघात बचने को दूकान पर टॉपी खरीदने गया था। सामान लेने के बाद वह पास



हो खड़े बिजली के खंभों को पकड़कर खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि खंभों में पहल से करंट

उतर रहा था, जिसको चपेट में आते ही बच्चा बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही मिर पड़ा। घटना को जानकारी मिलते ही परिजन आन-पानकों में उसे दिल्ली रोड स्थित एक निजी

क्या कुछ बड़ा होगा

इस समय पूरा विश्व सहमा दिखाई दे रहा है, जोकि स्वाभाविक भी है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इस बात को लेकर चर्चाएं गर्म हो रही हैं कि अपने अल्टीमेटम के अनुसार क्या अमेरिकी राष्ट्रपति आज (मंगलवार रात) ईरान पर ऐसा हमला करेंगे, जिसके बारे में उन्होंने अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था, यह बात तो वह पहले ही कह चुके हैं कि वह जब चाहें ईरान को पाषाण युग में पहुंचा सकते हैं। उनका कहना है इसी बात को ध्यान में रखते हुए ही तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं कि क्या अमे. रिका ईरान पर इस तरह का हमला करेगा, जैसा उसने अब तक किसी देश पर नहीं किया है। सारी दुनिया इसलिए सहमा हुई है, क्योंकि यह युद्ध बले ही पश्चिमी एशिया में ईरान व इराक/अमेरिका के बीच हो रहा हो, लेकिन इसमें पूरी दुनिया झुलसती दिखाई दे रही है। इस युद्ध को जारी हुए 38 दिन हो गए हैं और समय के साथ-साथ इसकी तपिश और बढ़ती जा रही है। जनता अभी भी इस युद्ध से प्रभावित होती दिखाई दे रही है। कई देशों में पेट्रोल, डीजल व गैस की किल्लत शुरू भी हो गई है। हालांकि भारत में ऐसा नहीं है, लेकिन अगर यह युद्ध जारी रहता है, तो कहीं भी दिक्कत आगे चलकर आ सकती है। यह अपनी तरह का शायद पहला युद्ध है, जिसमें एक से बढ़कर एक हमले हो रहे हैं और बातचीत के दावे भी किए जा रहे हैं। मंगलवार को भी खबर आई, जिसमें अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा है कि उनको ईरान के नेताओं से बातचीत चल रही है। अधिकारियों की तरफ से यह भी कहा गया कि बातचीत अच्छी चली है, लेकिन साथ ही यह भी कहा डाला कि यह ईरान के लिए अच्छा होगा कि वह ट्रम्प का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचें। ईरान के मिजाज को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि वह किसी भी तरह के युद्ध विराम को लेकर लचक दिखा रहा है। वैसे देखा जाए तो ईरान के तर्क में दम है। ईरान का कहना है कि अस्थायी युद्ध विराम का कोई मतलब नहीं है। अगर बातचीत हो, तो स्थायी युद्ध विराम पर हो। उस पर लगाए प्रतिबंध हटें, हमले बंद हों। इसी तरह की बातों का उसने दस शतों का अपना एजेंडा तैयार किया है। जाहिर है इस तरह की बातें अमेरिका को पसंद नहीं आई और जिस तरह की बातें अमेरिका कर रहा है वह ईरान को अस्वीकार्य हैं। वैसे देखा जाए तो इस समय अगर दुनिया उलझी हुई दिखाई दे रही है, तो इसके लिए अमेरिका ही ज्यादा जिम्मेदार है। अब तो उनके बयान गाली-आलोज के स्तर तक भी आ गए हैं। जिसकी आलोचना बाहर की दुनिया को तो छोड़िए खुद उनके देश में ही हो रही है। जिस तरह ईरान में पुल, यूनिवर्सिटी व ऊर्जा के संस्थान हमले की जद में आ रहे हैं, वह किसी भी सुपर पावर देश के मयार के खिलाफ ही कहे जाएंगे, लेकिन दिक्कत यह है कि आखिर ट्रम्प को समझाएं कौन।

हिमंता बिस्वा सरमा घबराए और परेशान

कांग्रेस मीडिया विभाग चेरमन पवन खेड़ा के घर पर एक जनहित के मुद्दे पर सवाल उठाने के लिए पुलिस की पूरी फौज लगाना इस बात का प्रमाण है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा घबराए, परेशान और चौकलाए हुए हैं, यह कानून की उचित प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है, राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज को दबाने और डराने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष सरकार के काले कारनामों को उजागर कर रहा है, जो लोग डराने-धमकाने की राजनीति करते हैं, वही सबसे ज्यादा डरे हुए होते हैं और उनके पास छिपाने के लिए बहुत कुछ होता है, यह पूरी कार्यवाही इस बात का संकेत है कि असम के मुख्यमंत्री को अपनी हार साफ दिखाई दे रही है, इसलिए वह इस तरह के कदम उठा रहे हैं।

—जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग



कोई भी इंसान हेल्थ इंश्योरेंस क्यों लेता है? जाहिर है कि इंसान हेल्थ इंश्योरेंस इसलिए लेता है कि बीमार होने पर अस्पताल के मोटे खर्चों का बोझ कुछ कम हो सके। इसीलिए एक आम इंसान थोड़े-थोड़े रुपये जोड़कर हेल्थ इंश्योरेंस की महंगी किरत भरता है, लेकिन जब समय पर हेल्थ इंश्योरेंस भी काम न आ सके तो फिर हेल्थ इंश्योरेंस लेने का क्या लाभ है? जहां एक ओर अनेक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां इस क्षेत्र में अच्छा काम कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर अनेक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के खिलाफ अनेक शिकायतें भी आई हैं। कुछ समय पहले अस्पताल और बीमा कंपनियों के बीच कैंसलेशन इलाज को लेकर विवाद हो रहा था।

अस्पतालों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एचपीआई) ने बीमा कंपनियों पर आरोप लगाया था कि बीमा कंपनियां इलाज की बढ़ती लागत को नहीं मान रही हैं। एचपीआई का कहना था कि बीमा कंपनियां मरनामानी कर रही हैं। एचपीआई देशभर के कई अस्पतालों का संगठन है। इस संगठन का कहना था कि कोरोना काल के बाद अस्पतालों का खर्च काफी बढ़ गया है। कोरोना काल के बाद बदली हुई परिस्थितियों में अस्पतालों के लिए पुरानी दरों पर काम करना असंभव है। दूसरी तरफ बीमा कंपनियों का कहना था कि अस्पताल कोरोना काल के बाद उपजी परिस्थितियों के बहाने अनावश्यक रूप से इलाज का खर्च बढ़ा रहे हैं। बीमा कंपनियां अस्पतालों के खर्च को मनमानी वृद्धि बता रही थीं और रेट बढ़ाना नहीं चाहती थीं। इस विवाद का सीधा असर बीमाधारकों पर पड़ा। कुछ कंपनियों हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बेहतर तरीके से क्लेम दे रही हैं लेकिन अनेक लोगों का कहना है कि कुछ कंपनियों क्लेम देने में लोगों को काफी परेशान करती हैं। हालांकि हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों का कहना है कि हम उपभोक्ताओं के लिए ही हैं और उपभोक्ताओं को समस्त सुविधाएं देना चाहते हैं लेकिन हमें क्लेम देने से पहले सारी जांच करनी होती है ताकि लोग फर्जी तरीके से क्लेम न ले सकें। भारत में ज्यादातर लोग इस उम्मीद में कैंसलेशन मेंडिकल इंश्योरेंस लेते हैं कि जब वे अस्पताल में एडमिट होंगे तो उन्हें उस समय अपनी जेब से रूपए जमा नहीं करने पड़ेंगे बल्कि इंश्योरेंस कंपनी सीधे अस्पताल को पैमेंट कर देगी। कुछ समय पहले हुए इस विवाद में दोनों पक्ष एक दूसरे को ब्लैक लिस्ट कर रहे थे। हालांकि अब कहा जा रहा है कि कुछ कंपनियों के साथ

क्यों कम हुई हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता



यह विवाद सुलझा लिया गया है। एचपीआई का आरोप था कि कुछ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने बहुत सारे अस्पतालों को ब्लैक लिस्ट कर दिया था। एचपीआई ने इन कंपनियों से यह अपील की थी कि आप यह ब्लैक लिस्ट हटाइए और रोगियों को कैंसलेशन सुविधा दीजिए। दूसरी तरफ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने अस्पतालों से कहा था कि आप इलाज का दाम कम कीजिए। इसके बाद एचपीआई ने चेतावनी दी थी कि वह इन कंपनियों की लगातार आ रही शिकायतों के कारण इन कंपनियों के पॉलिसीधारकों के लिए कैंसलेशन सेवाएं बंद करेगा। पिछले दिनों एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने पूरे भारत में मैक्स हॉस्पिटल के लिए कैंसलेशन इलाज सुविधा को स्थगित कर दिया था। बाद में कुछ अन्य मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों ने भी एक हॉस्पिटल को कैंसलेशन इलाज की सुविधा बंद कर दी थी। इन कंपनियों का कहना था कि पॉलिसीधारक के लिए कैंसलेशन सेवाएं अब भी देशभर के कई अच्छे अस्पतालों में उपलब्ध हैं। इन कंपनियों का कहना था कि बीमाधारकों के लिए उन्होंने प्राथमिकता के साथ फास्ट ट्रेक रिटर्नमेंट क्लेम प्रोसेसिंग की सुविधा शुरू की है। यह सही है कि धीरे-धीरे हमारे देश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो रहा है लेकिन जनसंख्या को देखते हुए अभी भी स्वास्थ्य

सेवाओं में बहुत ज्यादा सुधार की जरूरत है। पिछले दिनों नीति आयोग ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च बढ़ाने की जरूरत बताई थी। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में जीडीपी का मात्र डेढ़ फीसद ही खर्च होता है। दुनिया के कई देश स्वास्थ्य सेवाओं की मद में आठ से नौ फीसद तक खर्च कर रहे हैं। जब इस दौर में भी गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए अस्पतालों में स्टूचर जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिल पाए, तो देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठना लाजमी है। इस प्रगतिशील दौर में भी ऐसी अनेक खबरें प्रकाश में आई हैं कि जब अस्पताल गरीब मरीज के शव को घर पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं करा पाए। एक तरफ मरीज व्यवस्था की मार झेलता है तो दूसरी तरफ महंगी स्वास्थ्य सेवाओं से उसकी कमर टूट जाती है। ऐसे माहौल में यदि हेल्थ इंश्योरेंस का पूरा लाभ भी न मिल पाए तो इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है?

दरअसल पिछले कुछ समय से हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की काफी शिकायतें आ रही हैं। जब मरीज अस्पताल में भर्ती हो जाता है तो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों काफी तरह के नखरे करती हैं। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान बीमार इंसान के परिजनों को काफी समस्याओं का सामना करता है। कैंसलेशन मेंडिकल इंश्योरेंस में भी कंपनियों



रोहित कौशिक

अस्पतालों को पैसा भेजने में कई तरह की औपचारिकताएं पूरी करती हैं। इसके बावजूद कई बार अस्पतालों को पैसा नहीं भेजा जाता है। उस समय अस्पताल के संचालक रोगी के परिजनों को परेशान करते हैं। जिन अस्पतालों में कैंसलेशन सुविधा उपलब्ध नहीं होती है, वहां मरीज को पहले अस्पताल में अपनी जेब से रूपए देने होते हैं। बाद में बीमाधारक के पास मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी से रूपए आते हैं। इस प्रक्रिया में भी मरीज और परिजनों को काफी परेशान किया जाता है। कभी कभी कहती है कि यह पेपर भेजो, कभी कहती है कि वह पेपर भेजो। कभी कहती है कि मेल भेजो। कभी कहती है कि डॉक्टर से अनुमति बात लिखवाओ। यानी जो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों पॉलिसी लेने के लिए जी जान लगा देती हैं। जो इंश्योरेंस कंपनियां पॉलिसी लेते वक्त विनम्र बनी रहती हैं, वे ही कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस का धन देने के वक्त तमाम तरह की औपचारिकताएं पूरी करवाकर भी पैसा देने में आनाकानी करने लगती हैं। यही कारण है कि एक-दो मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों तो इस मामले में काफी बदनाम हो चुकी हैं। क्लेम देने में आनाकानी करने के कारण ऐसी कंपनियों की काफी शिकायतें आ रही हैं। हालांकि सभी कंपनियों सभी मामलों में धन जारी करने में आनाकानी नहीं करती हैं। कई लोग हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों पर अब भी पूरा भरोसा करते हैं। इसके बावजूद पिछले कुछ समय से हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता कम हुई है। इसका सीधा असर बीमाधारकों पर पड़ रहा है। इस मामले में हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की अपनी परेशानी है लेकिन कंपनियों को उपभोक्ता के हितों का ध्यान भी रखना होगा ताकि हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों की विश्वसनीयता बनी रह सके। इस दौर में जबकि निजी चिकित्सा सुविधाएं काफी महंगी होती जा रही हैं, जनता को हेल्थ इंश्योरेंस की काफी जरूरत है।

लोगों को अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए और पुनः चक्रीय सामग्रियों का पुनर्चक्रण करने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

वृक्षारोपण कार्यक्रमों को समर्थन देना चाहिए जो जल, वायु और प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकते हैं। कचरा प्रबंधन सही ढंग से कचरा प्रबंधन करना चाहिए।

प्रदूषण से यूं ही बच पाना आसान नहीं

प्रदूषण एक समस्या है जो विश्वभर में बढ़ रही है और इसका असर सभी क्षेत्रों में महसूस हो रहा है। भारत में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर है और इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाना आवश्यक है।

प्रदूषण के प्रकार
प्रदूषण कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि वायु, जल, ध्वनि, भूमि, और अन्य। वायु प्रदूषण में उदाहरण के लिए उद्योगी उद्यमों से निकलने वाले वायुमंडल के अनेक अंशों का समाहित होना शामिल है, जबकि जल प्रदूषण में जल स्रोतों में आने वाले विषम आपदाएं शामिल हैं।

प्रदूषण के कारण
प्रदूषण के कारणों में व्यक्तिगत उपयोग, उद्योग, वाहन, और अन्य शामिल हैं। बढ़ती जनसंख्या और अत्यधिक उपभोक्ता सामग्रियों का उपयोग भी महत्वपूर्ण कारक हैं।

प्रदूषण के प्रभाव
प्रदूषण के प्रभावों में स्वास्थ्य समस्याएं, जलवायु परिवर्तन, और वन्यजीव संरक्षण को समस्याएं शामिल हैं। यह समस्याएं समृद्धि की दिशा में बढ़े आंकड़े हैं और समाधान की आवश्यकता है।

भारत में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। यहां सुझाव दिए जा रहे हैं जो लोग पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में योगदान कर सकते हैं—

विद्युत स्रोतों का परिवर्तन
अधिकतम विद्युत स्रोतों का उपयोग करना जैसे कि सौर ऊर्जा और वायु ऊर्जा को बढ़ावा देना प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है।

समय रहते कुछ न कुछ करने की जरूरत, नहीं तो परिणाम गंभीर

मुख्य रूप से शीतकालीन मौसम में दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण और प्रदूषण से जुड़े प्रॉब्लम्स में से एक है पराली या पराली प्रदूषण। यह समस्या अक्टूबर और नवम्बर महीने में उत्तर भारत क्षेत्रों से आती है, जिसमें किसान अपने खेतों की फसल की शंकाओं को जला देते हैं। यह आम तौर पर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और पंजाब से आने वाली होती है।

पाराली प्रदूषण के कारण दिल्ली में वायुमंडल में स्थानीय प्रदूषण की मात्रा में वृद्धि होती है, जिससे प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक हो जाता है। यह प्रदूषण सांस लेने में कठिनाई, आंतरगत संघर्ष, और बच्चों और बुढ़ों के लिए स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। सरकार और नागरिक समूह इस समस्या का हल निकालने के लिए कई कदम उठा रहे हैं, जैसे कि पराली जलाने



की प्रवृत्ति को कम करने के लिए किसानों को उत्तरदाताओं के साथ बातचीत करने के प्रेरित करना और पर्यावरण के लिए सही उपायों को और बढ़ाना।

पब्लिक परिवहन का उपयोग
व्यक्तिगत वाहनों की तुलना में पब्लिक परिवहन का उपयोग करना प्रदूषण को कम कर सकता है।
अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग को कम करें
लोगों को अपशिष्ट प्लास्टिक उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करना चाहिए और पुनः चक्रीय सामग्रियों का पुनर्चक्रण करने के लिए उत्साहित करना चाहिए।
वृक्षारोपण
वृक्षारोपण कार्यक्रमों को समर्थन देना चाहिए जो जल, वायु, और प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कचरा प्रबंधन
सही ढंग से कचरा प्रबंधन करना चाहिए, इसमें रीसाइकलिंग और शुद्धिकरण के प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए।
उचित जल संवेदनशीलता
जल संवेदनशीलता बढ़ाना चाहिए, और उचित जल उपयोग करने के लिए समर्थन देना चाहिए।
संगठित प्रयास
लोगों को सामूहिक रूप से पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करें, सामूहिक पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में भाग लेने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

तेल की तलवार : पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्नि परीक्षा

देशों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़ते जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती हैं। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अ. श्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगाता है तो भारत की रणों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी
विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है,

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पाठ पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम अंडर: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?
ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम अंडर है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रेटिजिक पैट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलूरु और पाडुूर में कुल 5313 लाख टन का अंडर है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में

चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा अंडर का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्रा विदेश नीति का संकट
भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निरभरता के कारण परीक्षा की घड़ों में है। तेल की निरभरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बाँधियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खुद होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख

भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार व डैमेज कंट्रोल
युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैदा की गई थी। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधोक्त स्रोत हैं और 'पैनिक काल' कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे? वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निरभरता के इस

दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अतिव्यवस्था बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री को मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत रहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसाई को इंडकशन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रूपए प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी गण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थाई, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

—योगेश कुमार गोयल
(य लेखक को निजी विचार हैं)

